मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 113, मुंबई, शुक्रवार, 3 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
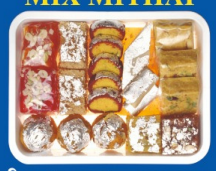
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

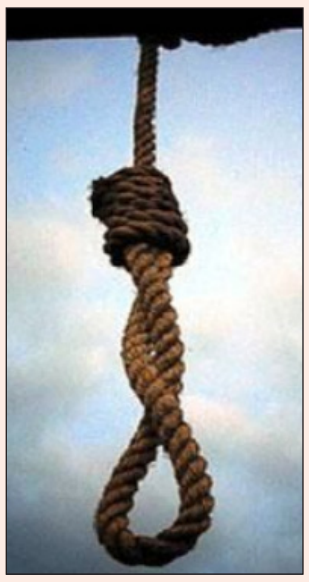

साकीनाका रेप-मर्डर केस

दोषी मोहन चौहान को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

बताया दुर्लभ मामला

प्राइवेट पार्ट में हथियार डाल की थी हत्या

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। साकीनाका रेप और मर्डर मामले में एक कोर्ट ने दोषी मोहन चौहान को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इसे दुर्लभ मामला बताया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में दोषी को कड़ी सजा देना जरूरी है। राज्य सरकार ने कोर्ट से आरोपी को फंसी की सजा देने की मांग की थी। कोर्ट ने राज्य का निवेदन स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता की आंत को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया था जिससे उसका पाचन तंत्र पूरी तरह खराब हो गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कुर्ला एल/विभाग मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिंदे के आदेशों की उड़ाई जा रही है धज्जिया?

ठेकेदार एजाज द्वारा न्यू मिल रोड पर बड़े पैमाने पर अवैध नवनिर्माण का कार्य जारी

(समाचार पृष्ठ 6 पर)

ALISHA TRAVEL
Dubai

All Countries Visa
Domestic & International Air Tickets
Domestic & International Hotel Bookings
Holiday Package
WHATSAPP 00919015064472
alishatravel@rediffmail.com

लॉरेंस गैंग ने की मूसेवाला की हत्या

लॉरेंस का भांजा सचिन बिश्नोई बोला- मैंने ही मूसेवाला को गोली मारी

29 मई मानसा में सिद्धू मूसेवाला की हत्या
29 मई गैंगस्टर लॉरेंस ने जिम्मेदारी ली
2 जून सचिन बोला मैंने गोली मारी

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का मर्डर लॉरेंस गैंग ने ही किया है। गैंगस्टर लॉरेंस के भांजे सचिन बिश्नोई ने दावा किया है कि यह कत्ल उसने किया है। उसने कहा, 'मैंने खुद सिद्धू मूसेवाला को गोलियां मारीं।' खुद को सचिन बिश्नोई बताने वाले शख्स ने एक टीवी चैनल से वर्चुअल आईडी के जरिए बातचीत में यह दावा किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मिड्डूखेड़ा के कत्ल का बदला लिया

15 मिनट तक चल रही थी मूसेवाला की सांसें

सिद्धू मूसेवाला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें पता चला कि गोलियां लगने के करीब 15 मिनट तक वह जिंदा थे। हालांकि अस्पताल पहुंचने तक उनकी मौत हो गई। उनकी छाती में लगी गोली से मूसेवाला की मौत हुई। उनके शरीर पर गोली से 19 जख्म मिले। जिनमें 18 जख्म गोली के हैं। इनमें से 7 गोलियां सीधी मूसेवाला को लगी हैं। बाकी उन्हें छूकर निकल गई।

नहीं रहे मशहूर संतूर वादक पंडित भजन सोपोरी का गुरुग्राम में निधन

क्लासिकल म्यूजिक के तीन रागों की रचना की

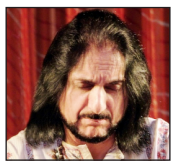

गुरुग्राम। मशहूर संतूर वादक पद्मश्री पंडित भजन सोपोरी का गुरुग्राम के एक अस्पताल में गुरुवार को निधन हो गया। उनके परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वे 74 साल के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। उनका जन्म साल 1948 में श्रीनगर में हुआ था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एक्स्ट्रा लगेज जेब पर भारी

हवाई जहाज की तर्ज पर ट्रेन में भी लगेगा ज्यादा सामान पर भाड़ा

नई दिल्ली। अगर आप ट्रेन में सफर कर रहे हैं और ज्यादा सामान ले जा रहे हैं, तो अब आपको इसके लिए ज्यादा पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। दरअसल, अब रेलवे ज्यादा सामान ले जाने के नियम को सख्ती से लागू करने जा रहा है। इसकी जानकारी रेल मंत्रालय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट करके दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कश्मीर में फिर आतंकवाद

जम्मू-कश्मीर में जबसे धारा 370 हटी है, वहां राजनीतिक उठा-पटक और आतंकवादी घटनाओं में काफी कमी हुई है लेकिन इधर पिछले कुछ हफ्तों में आतंकवाद ने फिर से जोर पकड़ लिया है। कश्मीर घाटी के एक स्कूल में पढ़ा रही जम्मू की अध्यापिका रजनीबाला की हत्या ने कश्मीर में तूफान-सा खड़ा कर दिया है। कश्मीर के हजारों अल्पसंख्यक हिंदू कर्मचारी सड़कों पर उतर आए हैं और वे उप-राज्यपाल से मांग कर रहे हैं कि उन्हें घाटी के बाहर स्थानांतरित किया जाए, वरना वे सामूहिक बहिर्गमन का रास्ता अपनाएंगे। उनका यह आक्रोश तो स्वाभाविक है लेकिन उनकी मांग को क्रियान्वित करने में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। यहां एक सवाल तो यही है कि क्या आतंकवादी सिर्फ हिंदू पंडितों को ही मार रहे हैं? यह तो ठीक है कि मरनेवालों में हिंदू पंडितों की संख्या ज्यादा है, क्योंकि एक तो वे प्रभावशाली हैं, मुखर हैं और उनकी संख्या भी ज्यादा है लेकिन रजनीबाला तो पंडित नहीं थी। वह तो दलित थी। इसके अलावा हम थोड़े और गहरे उतरें तो पता चलेगा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों ने 13 लोगों की हत्या की है, उनमें चार पुलिस के जवान थे, तीन हिंदू थे और छह मुसलमान थे। इन मुसलमानों में पुलिस वालों के अलावा पंच, सरपंच और टीवी की एक महिला कलाकार भी थी। कहने का अर्थ यह कि आतंकवादी सबके ही दुश्मन हैं। वे घृणा और घमंड से भरे हुए होते हैं। वे जिनसे भी घृणा करते हैं, उनकी हत्या करना वे अपना धर्म समझते हैं। क्या वे यह नहीं जानते यह कुकर्म वे इस्लाम के नाम पर करते हैं और उनकी इस करनी की वजह से इस्लाम सारी दुनिया में बदनाम होता रहता है। ऐसे ही हिंसक उग्रवादियों की मेहरबानी के कारण आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान बिल्कुल खस्ता-हाल हुए जा रहे हैं। कश्मीर में इधर कुछ हफ्तों से आतंकवादी हमलों में जो बढ़त हुई है, उसका एक कारण यह भी लगता है कि ये आतंकवादी नहीं चाहते कि भारत-पाक रिश्तों में जो सुधार के संकेत इधर मिल रहे हैं, उन्हें सफल होने दिया जाए। इधर जब से शाहबाज शरीफ की सरकार बनी है, दोनों देशों के नेताओं का रवैया रचनात्मक दिख रहा है। दोनों देश सीमा पर युद्ध विराम समझौते का पालन कर रहे हैं और सिंधु-जल विवाद को निपटाने के लिए हाल ही में दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक दिल्ली में हुई है। पाकिस्तान के व्यापारी भी बंद हुए आपसी व्यापार को खुलवाने का आग्रह कर रहे हैं। आतंकवादियों के लिए यह सब तथ्य काफी निराशाजनक हैं। इसीलिए वे अंधाधुंध गोलियां चला रहे हैं। उनकी हिंसा की सभी कश्मीरी नेताओं ने कड़ी निंदा की है और उप-राज्यपाल मनोज सिंहा ने भी कठोर शब्दों में आतंकवादी हत्यारों को शीघ्र ही दंडित करने की घोषणा की है। क्या इन आतंकवादियों को इतनी-सी बात भी समझ नहीं आती कि वे हजार साल तक भी इसी तरह लोगों का खून बहाते रहें तो भी अपना लक्ष्य साकार नहीं कर पाएंगे और वे जितने निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, उससे कई गुना ज्यादा आतंकवादी हर साल मारे जाते हैं। यह बात उन पाकिस्तानी लोगों को भी समझनी चाहिए, जो आतंकवाद को प्रोत्साहित करते हैं।

कांग्रेस बदलने को तैयार नहीं

भाजपा और क्षेत्रीय पार्टियां आगे होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में लगी हैं लेकिन कांग्रेस नेता पार्टी के अंदर एक-दूसरे को निपटाने के खेल में लगे हैं। असल में लगातार चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस के नेता इस मुगालते में हैं कि एक दिन लोग भाजपा से उब जाएंगे और फिर घर बैठे कांग्रेस को सत्ता सौंप देंगे। एक बार 2004 में ऐसा हो गया था लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के बारे में अपनी जो ताजा राय व्यक्त की है उसमें उन्होंने कहा है, 'कांग्रेस पार्टी सुधरती नहीं है, अपने तो डूब रही है हमको भी डुबा देगी। हम 10 साल में सिर्फ एक चुनाव हारे 2017 में। कांग्रेस ने हमारा ट्रैक रिकॉर्ड खराब कर दिया, इसलिए उसके बाद हमने उनसे हाथ जोड़ लिया कि इन लोगों के साथ कभी काम नहीं करेंगे'। सचमुच प्रशांत किशोर ने 2017 के बाद कांग्रेस के लिए काम नहीं किया। हालांकि वे कांग्रेस के साथ जुड़ने जरूर गए थे लेकिन वह एक अलग मामला है। वे चुनाव रणनीतिकार के तौर पर नहीं, बल्कि एक नेता के तौर पर कांग्रेस के साथ जुड़ कर उसमें संरचनात्मक बदलाव करके उसे भाजपा से मुकाबले के लिए तैयार करने के मकसद से गए थे। उनके कई बार प्रेजेंटेशन देने के बावजूद जब कांग्रेस उनकी शर्तों पर राजी नहीं हुई तो लगा कि कांग्रेस एक चुनाव रणनीतिकार के तौर पर तो उनकी सेवा लेना चाहती है लेकिन एक नेता के रूप में पार्टी में शामिल कर उन्हें अपने मन से हर काम करने की छूट नहीं देना चाहती।

कांग्रेस ने हालांकि प्रशांत किशोर के कुछ सुझावों पर उदयपुर के नव संकल्प शिविर में विचार किया और उनमें से कुछ पर अमल का फैसला भी किया। लेकिन नव संकल्प शिविर के बाद पिछले तीन हफ्ते में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं उनसे ऐसा लग नहीं रहा है कि कांग्रेस इस बात को समझ पाई है कि उसके अंदर क्या कमी है और उसे क्या सुधार करना है। असल में कांग्रेस ने उदयपुर में अपनी कमियों पर चर्चा ही नहीं की। यह सोचा ही नहीं कि उसकी क्या कमजोरी है, जिसकी वजह से वह लगातार चुनाव हार रही है और जिसकी वजह से लगातार उसके नेता पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। तीन दिन तक पार्टी के शीर्ष नेता विचार करते रहे लेकिन हार पर चिंतन नहीं किया और न संगठन पर विचार हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव अगस्त में होना है। उसकी तैयारियों से भी पार्टी कोई राजनीतिक माहौल नहीं बना पाई है, जबकि भाजपा अध्यक्ष का चुनाव अगले साल होना है और उसने हर प्रदेश में लगातार कार्यसमिति का आयोजन करके राजनीतिक माहौल बनाया हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई है। नव संकल्प शिविर के बाद जो सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम है वह राज्यसभा के दोवार्षिक चुनाव हैं। इन चुनावों के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों को देख कर भी साफ हो गया है कि कांग्रेस किसी हाल में नहीं बदल सकती है। कांग्रेस ने कुल 10 उम्मीदवार उतारे हैं लेकिन उनमें महाराष्ट्र के एक, राजस्थान के तीन, छत्तीसगढ़ के दो और हरियाणा के एक यानी सात उम्मीदवारों को लेकर राज्यों में जबरदस्त विरोध है। सोचें, 10 में से सात उम्मीदवारों का भारी विरोध है और उन्हीं में से दो उम्मीदवार ऐसी लड़ाई में फंस गए हैं, जहां उनके जीतने की संभावना कम हो गई है। कांग्रेस ने कर्नाटक से जयराम रमेश, तमिलनाडु से पी चिदंबरम और मध्य प्रदेश से विवेक तन्खा को छोड़ कर बाकी सारे उम्मीदवार बाहरी दिए हैं। यानी जिस राज्य में सीटें खाली हुई हैं वहां की बजाय दूसरे राज्य का उम्मीदवार उतारा है। कांग्रेस ने ऐसा सिर्फ इसलिए किया है कि परिवार के प्रति निष्ठा रखने वालों को उच्च सदन में भेजा जा सके।

कांग्रेस ने उम्मीदवार तय करने में न तो सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा है और न क्षेत्रीय संतुलन का प्रयास किया है। बादशाह के हुक्मनामे की तरह उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए गए। उत्तर प्रदेश के रहने वाले राजीव शुक्ल छत्तीसगढ़ से, प्रमोद तिवारी राजस्थान से और इमरान प्रतापगढ़ी महाराष्ट्र से चुनाव लड़ रहे हैं। हरियाणा के रणदीप सुरजेवाला और महाराष्ट्र के मुकुल वासनिक राजस्थान से तो दिल्ली के अजय माकन हरियाणा से उम्मीदवार हैं। बिहार की रंजीत रंजन को छत्तीसगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके उलट भाजपा ने अपने 22 में सिर्फ दो उम्मीदवारों को उनके राज्य के बाहर टिकट दिया है। उसने निर्मला सीतारमण को कर्नाटक और के लक्ष्मण को उत्तर प्रदेश से उम्मीदवार बनाया है। अगर सामाजिक समीकरण की बात करें तो भाजपा ने 22 उम्मीदवारों में से सिर्फ चार ब्राह्मण उम्मीदवार दिए हैं। इनके अलावा उसके ज्यादातर उम्मीदवार पिछड़ी और दलित जातियों के हैं। उसने इस बात का खास ख्याल रखा है कि कम से कम उम्मीदवार हाई प्रोफाइल हो। उसने ज्यादातर संगठन के नेताओं और जमीनी कार्यकताओं को मौका दिया है। इसके उलट कांग्रेस ने 10 में से पांच ब्राह्मण सहित सात सवर्ण उम्मीदवार दिए हैं। कांग्रेस की सूची में एक दलित, एक ओबीसी और एक मुस्लिम है। इसके अलावा लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा देने वाली पार्टी ने 10 में से सिर्फ एक महिला उम्मीदवार दिया है, जबकि भाजपा के 22 उम्मीदवारों में से चार महिलाएं हैं। भाजपा ने तीन राज्यों में अतिरिक्त उम्मीदवार देकर कांग्रेस को फंसाया है लेकिन मौका होने के बावजूद कांग्रेस किसी राज्य में भाजपा को नहीं उलझा सकी। उलटे कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी नासमझी या अपरिपक्वता में झारखंड की सहयोगी पार्टी जेएमएम से संबंध खराब किया सो अलग।

कांग्रेस ने जिस तरह से अपने शासन वाले राज्यों- राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उम्मीदवार दिए हैं उससे ऐसा लग रहा है कि पार्टी ने इन दोनों राज्यों में अगले साल होने वाले चुनाव में जीतने का इरादा त्याग दिया है। अगर कांग्रेस इन राज्यों में लड़ने और जीतने का इरादा दिखाती तो सारे उम्मीदवार स्थानीय होते और राज्य के जातीय समीकरण के अनुरूप होते। जमीनी कार्यकर्ता होते और दोनों मुख्यमंत्रियों के हाथ मजबूत करने वाले होते। लेकिन उसकी बजाय पांच बाहरी व थके-हारे नेताओं को उम्मीदवार बना कर कांग्रेस आलाकमान ने अपने मुख्यमंत्रियों को भी मुश्किल में डाला है और आगे की संभावना भी खराब की है। दूसरी और बड़ी कमी यह है कि कांग्रेस अब भी उस बादशाही वाले अंदाज में काम कर रही है कि जो निष्ठावान नहीं है या कभी भी जिसने परिवार पर सवाल उठाया है उसको कुछ नहीं देना है। तभी पार्टी के अनेक उपयुक्त उम्मीदवारों की अनदेखी कर दी गई।

सोचें, इतनी खराब दशा में भी कांग्रेस परिवार के प्रति निष्ठावान लोगों को उपकृत करने और असंतुष्ट नेताओं को निपटाने के खेल में लगी है। इतने मुश्किल समय में पार्टी अपनी कमियों पर विचार नहीं कर रही है। पार्टी को एकजुट रखने और नेताओं से बात कर उनकी शिकायतों को दूर करने की बजाय ऐसे हालात बना रही है कि और नेता पार्टी छोड़ कर जाएं। नव संकल्प शिविर के बाद सुनील जाखड़ और कपिल सिब्बल जैसे पुराने नेता पार्टी छोड़ गए। कांग्रेस ऐसे दिखा रही है, जैसे उसे इसकी परवाह ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ नेताओं के मामले में पार्टी की यह एप्रोच है। पार्टी के पास कोई संगठन भी नहीं है और कोई कार्यक्रम भी नहीं है। इतनी घनघोर महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी के बावजूद सरकार को घेरने वाला कोई कार्यक्रम कांग्रेस नहीं चला रही है। भाजपा और क्षेत्रीय पार्टियां आगे होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में लगी हैं लेकिन कांग्रेस नेता पार्टी के अंदर एक-दूसरे को निपटाने के खेल में लगे हैं। असल में लगातार चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस के नेता इस मुगालते में हैं कि एक दिन लोग भाजपा से उब जाएंगे और फिर घर बैठे कांग्रेस को सत्ता सौंप देंगे। एक बार 2004 में ऐसा हो गया था लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

लोकल ट्रेन की चपेट में आए तीन यात्री, दो की घटनास्थल पर मृत्यु एक गंभीर रूप से घायल

संवाददाता/समद खान

दिवा। गत 1 जून बुधवार को दिवा रेलवे स्टेशन पर लाइन पार करते समय तीन यात्री द्वारा लोकल ट्रेन की चपेट में आने का मामला प्रकाश में आया है जिसमें से बताया जा रहा है दो यात्री की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया है दरअसल आपको बताते चलें दीपक सावंत वर्ष 26 गीता शिंदे वर्ष 35 महादेवी जाधव वर्ष 25 रहवासी दिवा के बताए जा रहे हैं यह तीनों यात्री अपने काम की ओर जाने के लिए दिवा रेलवे स्टेशन की रेलवे लाइन पार कर रहे थे तभी तेज गति से खपोली की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन ने तीन यात्रियों को टक्कर मार दी जिसमें से दो यात्री की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई और एक यात्री महादेवी जाधव गंभीर रूप से घायल हो गया है जिनको रेल प्रशासन के कर्मचारी द्वारा उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया यह घटना सवेरे 8:21 मिनट की बताई जा रही है यह दुर्घटना होने के बाद कुछ घंटों के लिए रेलवे फाटक को पूरी तरह से बंद कर दिया गया कुछ घंटों के बाद रेलवे फाटक को फिर से खोलना पड़ा दिवा के यात्रियों

और रेलवे एसोसिएशन की लगातार मांग की जा रही थी दिवा के पूर्व में मुंबई की ओर जाने वाली सीढ़ियों को चौड़ा किया जाए साथ ही वहां पर स्लाइडिंग सीढ़ियों भी लगाई जाए ताकि यात्री पैदल पुल का इस्तेमाल कर सके और कोई दुर्घटना यात्रियों के साथ ना घट सके हालांकि अब तक ऐसी कोई व्यवस्था रेल प्रशासन की तरफ से नहीं की गई है जिसके कारण या अक्सर दुर्घटनाएं सामने आती रहती है इसके अलावा दिवा पश्चिम में कोई टिकट घर नहीं होने के कारण यात्रियों को टिकट लेने के लिए पूर्व टिकट घर में जाना पड़ता है और इसी कारण यहां पर लाइन पार करने वाले यात्रियों की संख्या और भी अधिक बढ़ जाती है रेलवे प्रवासी संघ के अध्यक्ष आदेश भगत की मांग है कि रेल्वे प्रशासन रेलवे लाइन पार करते समय हो रही दुर्घटनाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करें और जल्द से जल्द स्लाइडिंग सीढ़ियों की और टिकट घर की सुविधाएं रेलवे लाइन पार कर रहे यात्रियों के लिए मोहिया कराई क्योंकि 90% यात्री टिकट घर के विपरीत स्थानों पर रहते हैं और टिकट घर के लिए उनको रेलवे लाइन पार करना पड़ता है और इसी कारण दुर्घटनाएं होती रहती है अगर रेल प्रशासन एक टिकट घर शुरू कर दे तो दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है और रेल प्रशासन द्वारा ही कहा जा रहा है कि रेलवे लाइन पार करते समय हो रही दुर्घटनाओं पर यात्रियों पे 304 का मामला दर्ज किया जाएगा लेकिन रेल प्रशासन द्वारा सुविधाएं यात्रियों के लिए क्यों नहीं दी जाती अगर सुविधाएं यात्री को मिल जाएगी तो यात्री क्यों लाइन पार कर अपनी जान को जोखिम में डालेंगे उन्होंने कहा है कि जल्द से जल्द यात्रियों के लिए सारी सुविधाएं पर्याप्त कराई जाए ताकि आए दिन रेलवे लाइन पार करते समय हो रही दुर्घटनाओं मैं हो रही मौतों से बचा जा सके यहआपसे निवेदन है।

शिलफाटा में नेशनल हाईवे सड़क के बीच गटर पर ढक्कन नहीं लगाने पर मनसे कार्यकर्ता इरफान सय्यद ने किया मनपा प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंबई से पुणे जाने वाला नेशनल हाईवे कहलाए जाने वाला सड़क के बीचो बीच गटर का खुला ढक्कन को लेकर मनसे पार्टी के कार्यकर्ता इरफान सैयद द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन दरअसल मामला आपको बताते चलें शिलफाटा नेशनल हाईवे सड़क पर बीचो-बीच कई महीनों से गटर का एक ढक्कन खुला पड़ा हुआ है स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत मनपा प्रशासन से की गई परंतु मनपा प्रशासन ने यह मामले को गंभीरता से नहीं लेते हुए अनदेखा कर दिया लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा गटर के ढक्कन पर प्लाई का टुकड़ा डाल दिया गया ताकि कोई घटना न घट सके इस बात का विरोध करते हुए मनसे के कार्यकर्ता इरफान सैयद ने मनपा प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और गटर के अंदर उतरकर मनपा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि

एक महीने से इस गटर के ढक्कन की शिकायत स्थानीय रहवासी द्वारा की जा रही है यह नेशनल हाईवे की सड़क है और यहां पर 24 घंटे बड़ी गाड़ियों की आवाजाही लगी रहती है अगर कोई दुर्घटना घट जाती है उस दुर्घटना में किसी की मृत्यु हो जाती है और वैसे ही यह सड़क दुर्घटनाओं का केंद्र बनी हुई है आए दिन कोई न कोई दुर्घटनाएं इस सड़क पर घटती रहती है इसका जिम्मेदार कौन होगा क्या मनपा प्रशासन दुर्घटना की जिम्मेदारी लेगी आखिर क्यों मनपा प्रशासन इस गंभीर मामले को सरलता से ले रही है सड़क के बीचो बीच गटर का खुला ढक्कन से कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है क्या मनपा प्रशासन कोई बड़ी दुर्घटना होने का इंतजार कर रही है उसके बाद ढक्कन लगाएगी उन्होंने कहा अगर मनपा प्रशासन के पास पैसा नहीं है तो पैसा मैं देता हूं वह आकर ढक्कन लगाएं उनके द्वारा खोला गया है मोर्चा मनपा प्रशासन के विरोध में हाथों में झंडा लेकर अकेले ही गटर में सड़क के बीचो बीच बैठ कर नारेबाजी कर रहे थे शील डायगर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और उनको सड़क पर से उठाने की कोशिश की गई लेकिन जब तक उन्हें आश्वासन नहीं मिला तब तक वह सड़क के बीचो बीच डटे रहे और ट्रैफिक की समस्या काफी उत्पन्न हो गई और यही गहमागहमी में एक बड़ा ट्रक छोटी कार को टक्कर मार दी लेकिन राहत की बात यह है इस घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई मामूली खरोच कार को आई है फिलहाल शील डायगर पुलिस द्वारा आश्वासन देने के बाद ही उन्होंने अपना मोर्चा बंद कर दिया और कहां है मुझे पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आज शाम तक गटर पर ढक्कन मनपा प्रशासन द्वारा लगाया जाएगा और अगर ढक्कन नहीं लगता है तो मैं दूसरे दिन आकर सड़क पर लेट जाऊंगा अब देखना यह है मनपा प्रशासन नेशनल हाईवे के बीच गटर का ढक्कन लगाती है या नहीं देखने वाली बात होगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

साकीनाका रेप-मर्डर केस

आरोपी मोहन चौहान ने 32 साल की महिला के साथ अंधेरी के साकीनाका इलाके में दरिंदगी की हदें पार कर दी थीं। उसने पहले महिला के साथ रेप किया और फिर प्राइवेट में हथियार डालकर हत्या कर दी। आरोपी मोहन चौहान पेशे से ड्राइवर था। कोर्ट में जब मामले की सुनवाई चल रही थी तब वह पीड़ित पक्ष के वकीलों को गालियां भी देता था। सरकारी वकील ने तभी कहा था कि इसमें सुधार की गुंजाइस नहीं है। सोमवार को कोर्ट ने मोहन चौहान को रेप और मर्डर के मामले में दोषी करार दिया था। कोर्ट में जब दोषी से पूछा गया कि उसे कितनी सजा मिलनी चाहिए तो वह जोर-जोर से रोने लगा और आरोप लगाने लगा कि उसे इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। वहीं दोषी के वकील ने कहा कि यह दुर्लभ मामला नहीं है क्योंकि घटना के बाद भी पीड़िता जिंदा थी और अच्छे इलाज से उसे बचाया जा सकता था। एक वॉचमैन ने महिला को घायल अवस्था में देखा था और इसके बाद पुलिस को जानकारी दी थी। इसके बाद पीड़िता को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया जहां एक दिन बाद उसने दम तोड़ दिया। अस्पातल में मेडिकल जांच में पता चला था कि उसके प्राइवेट पार्ट में कुछ डाला गया है जिसकी वजह से आंतें फट गईं। चाकू बाहर निकालने के बाद पीड़िता की आंतें भी बाहर आ गई थीं। सरकारी वकील ने कहा कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी इस तरह से चुपचाल चला गया जैसे उसने कुछ किया ही ना हो। इस मामले में सरकार की तरफ से 37 गवाह पेश किए गए थे। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज भी सबूत में शामिल था।

लॉरेंस गैंग ने की मूसेवाला की हत्या

उसने कहा कि हमने मोहाली में विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल का बदला लिया है। पहले उसने खुद को सचिन थापन बताया। जब पत्रकार ने उससे पूछा कि वह सचिन बिश्नोई बोल रहा है तो उसने हां कहा। उसने कहा कि गैंगस्टर मेरे आदर्श और मामा हैं। हालांकि हत्या का दावा करने वाला असली सचिन बिश्नोई ही है, इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। सचिन बिश्नोई ने कहा कि मोहाली में युवा अकाली नेता विक्की मिड्डूखेड़ा की हत्या हुई थी। पुलिस ने इसकी जांच की। कई गैंगस्टर्स से पूछताछ की गई। सबने कहा कि इसके पीछे सिद्धू मूसेवाला का हाथ है। हत्या करने वाले शूटर ने कहा था कि मूसेवाला ने उन्हें जगह दी और फाइनेंशियली सपोर्ट भी किया। दिल्ली पुलिस ने मूसेवाला का नाम भी लिया था। इसके बावजूद मूसेवाला के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम इंतजार करते रहे, लेकिन मूसेवाला पर कोई एक्शन नहीं हुआ। सचिन ने कहा कि चंडीगढ़ में गुरलाल बरार की हत्या भी मूसेवाला ने कराई। वह कनाडा बैठे गैंगस्टर गोल्डी बरार का भाई था। इसके पीछे भी सिद्धू मूसेवाला का हाथ था। इसके बावजूद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। सचिन ने कहा कि मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला को मारने के बदले उसे कोई फेम नहीं चाहिए था। मकसद सिर्फ बदला लेना था।

नहीं रहे मशहूर संतूर वादक

भजन सोपोरी को क्लासिकल म्यूजिक में योगदान के लिए 1992 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार दिया गया था। इसके बाद उन्हें भारत सरकार ने साल 2004 में पद्मश्री से सम्मानित किया। भजन सोपोरी को संतूर वादन की शिक्षा विरासत में मिली थी। उनके दादा एससी सोपोरी और पिता पंडित एसएन सोपोरी भी संतूर वादक थे। उन्होंने घर में ही संतूर की शिक्षा ली थी। भजन संतूर के साथ गायन में भी निपुण थे। संगीत के साथ उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में पोस्ट ग्रेजुएट किया। इसके बाद उन्होंने वाशिंगटन विश्वविद्यालय से वेस्टर्न क्लासिकल म्यूजिक में भी पढ़ाई की थी। पंडित भजन सोपोरी ने तीन रागों की रचना की है। इनमें राग लालेश्वरी, राग पटवंती और राग निर्मल रंजनी है। पंडित भजन सोपोरी का संबंध सूफियाना घराना से है। पंडित भजन सोपोरी ने एक एलबम नट योग ऑन संतूर बनाया।

एक्स्ट्रा लगेज जेब पर भारी

इसमें लोगों को सफर के दौरान ज्यादा सामान न लेकर चलने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने अपने ट्वीट में कहा, रेल यात्रा के दौरान अधिक सामान लेकर न जाएं। अगर ऐसा हो तो उसे लगेज वैन में जरूर बुक कराएं। सामान ज्यादा होगा तो यात्रा का मजा आधा हो जाएगा! भारतीय रेलवे के नियमों के मुताबिक अलग-अलग श्रेणियों में रेल यात्री 40 किलो से लेकर 70 किलो तक का भारी सामान अपने साथ ट्रेन के डिब्बे में रख सकते हैं। इससे अधिक सामान होने पर यात्री को अलग से किराया देना पड़ सकता है। रेलवे ने हर कोच के हिसाब से वजन निर्धारित कर रखा है। यात्री स्लीपर क्लास में 40 किलोग्राम तक वजन अपने साथ ले जा सकते हैं। एसी टू टीयर में 50 किलो तक के वजन का सामान ले जाने की छूट है।

हिंदी पत्रकारिता का महत्व है श्रीकांत बार्चे

मनावर निप्र हिंदी पत्रकारिता दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार सैयद रिजवान अली को प्रतीक चिन्ह देकर शुभकामना देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता समाजसेवी श्रीकांत बारचे ने कहा हिंदी पत्रकारिता का महत्व है और हिंदी पत्रकारिता समाज को और शासन प्रशासन को जल्दी समझ में आ जाती है न्याय संगत है। आजादी के समय से आज दिनांक तक हिंदी पत्रकार और पत्रकारिता की विश्वसनीयता बरकरार है। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता विमुक्त घुमक्कड़ जाति जिला संयोजक, भाजपा बाकानेर मंडल सदस्यखेमचंद चौहान उपस्थित थे।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता/अरमान उल हक

मेरठ। उत्तर प्रदेश के जनपद मेरठ के थाना लालकुर्ती में पजींकृत मु0अ0स0 59/2022 धारा 379 भादवि0 में प्रकाश मे आये वांछित अभियुक्त हर्ष उर्फ काकू पुत्र सतीश कुमार निवासी मारवाड़ी मो0 कसेरूखेड़ा थाना लालकुर्ती मेरठ उम्र 19 वर्ष, को मुखबिर की सूचना पर शिव मन्दिर कसेरूखेडा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना लालकुर्ती पर विधिक कार्यवाही की गयी।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

सिपाही की हत्या से पुलिस महकमे में हड़कंप

प्रकाश वीर आर्य/कानपुर

कानपुर। बिल्हौर थाने में तैनात सिपाही की देर रात धारदार हथियार से गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई। सिपाही की थाने के निकट ही कमरे में हत्या से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। सिपाही के हत्या के खुलासे के लिए पुलिस की छह टीमे लगा दी गई है। मूल रूप से फिरोजाबाद निवासी देश दीपक (29) वर्तमान में बिल्हौर थाने में तैनात थे। वह बिल्हौर थाने में लगभग 3 वर्षों से कार्यरत थे। अभी पिछली 22 अप्रैल को उनकी शादी हुई थी। वह शादी की रस्में पूरी कर हाल ही में ड्यूटी पर लौटे थे। सिपाही देश दीपक बिल्हौर थाने के बगल में ही किराए पर एक अन्य साथी सिपाही के साथ रहते थे। साथ मे ही रहने वाले सिपाही बाहर ड्यूटी पर गए थे। सुबह दूसरा एक अन्य सिपाही जब उनके कमरे में पहुंचा तो सिपाही की बेरहमी से हत्या का पता चला। सिपाही के गले में गमछा लिपटा था जिससे प्रतीत हो रहा था की सिपाही की पहले गर्दन गमछे से कसी गई उसके बाद धारदार हथियार से गर्दन रेत दी गई। मौके पर जांच को फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड टीम भी पहुंची जिसने घटनास्थल से वारदात के अहम सुराग जुटाए। एसपी आउटर ने बताया कि उक्त सिपाही की देर रात हत्या की गई है। सिपाही की हत्या के कारणों का खुलासा व अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छह टीमे बनाई गई है जो वारदात के खुलासे में तत्काल लग गई है। घटना का जल्द से जल्द खुलासा किया जाएगा।

लूटेरे हुए बेखौफ, स्पीकर के घर के बगल में ही लूटा मोबाइल

प्रकाश वीर आर्य/कानपुर

कानपुर। अपराधी कितने बेखौफ हो गए है उसका इसी घटना से पता चलता है कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के घर के बगल में ही मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दे दिया। जबकि वंहा कुछ ही दूरी पर स्पीकर की सुरक्षा मे 24 घंटे पुलिस गारद तैनात है। अमित सिंह बेदी लाल बंगला मे एक दुकान मे कार्यरत है। वह श्याम नगर मे रहता है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के बगल मे स्थित एक दुकान मे आया था कि पैदल चलते समय एक शख्स ने आकर उससे जरूरी काल के लिए मोबाइल मांगा। उसने अपना मोबाइल उस व्यक्ति को दे दिया। उसने कुछ देर काल मिलाने का नाटक किया और देखते ही देखते उसका मोबाइल लेकर भाग खडा हुआ। कुछ दुर अमित ने उसका पीछा भी किया लेकिन वह हाथ नही आया और उसका मोबाइल लेकर रफूचक्कर हो गया। पीडित ने घटना की जानकारी थाना चकेरी की पुलिस को दी है। मोबाइल की यह लूट उस जगह हुई जहां कुछ ही दूरी पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के घर के बाहर उनकी सुरक्षा मे 24 घंटे टैंट मे उनके सुरक्षाकर्मी तैनात रहते है। एक प्रकार से लूटेरों ने चकेरी पुलिस को भी चुनौती दी है दिखना है कि पुलिस इस घटना का कितनी जल्दी खुलासा कर पाती है।

27वां सालाना उर्स सरकार कुतुब ऊल औलिया का

मुंबई। हजरत अलहाज ख्वाजा सूफी सय्यद मंसूर - उल- हसन शाह कादरी, चिश्ती, अबुल ओलाई, जहांगीरी, हसनी का 27वां सालाना उर्स, महफिल -ए- हसनी आश्रम मुर्शीद नगर, खिंडी पाड़ा भांडुप (वेस्ट) हुजूर साहिबे सज्जादा हजरत ख्वाजा सूफी सय्यद वसीम - उर- रहमान शाह सरकार ताज - ऊल- अस्फिया (जुगनू मियां सरकार) कादरी, चिश्ती, अबुल ओलाई, जहांगीरी, हसनी, मंसूरी की जेरे सरपरस्ती में 10 जून शुक्रवार से बुधवार 15 जून तक बहुत ही धूमधाम से मनाया जायेगा। तमाम औलिया अल्लाह के चाहने वालों इस उर्स पाक में शिरकत फरमा कर फैज वा बरकात से मुस्तफिज हों। साथ ही कहा गया है कि उर्स पाक के दिनो में अगर किसी को सर्दी -जुकाम हो तो वो उर्स पाक में शिरकत न करें। सभी लोग कोविड -19 के निर्देशों का पालन करें।

शराब बंदी के लिए करीरी में हुआ मतदान, शराब हारी और संघर्ष की विजय हुईः पूनम अंकुर छाबड़ा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

करौली, करीरी। करौली क्षेत्र के करीरी गांव के जागरूक लोगों ने अथक प्रयास कर अपने गाँव को शराब जैसे घातक दानव से बचाने की मुहिम चलाई और राज्य में बने कानून के तहत सरकार से मतदान करवाने का आग्रह किया सम्पूर्ण शराब बंदी आन्दोलन जस्टिस फॉर छबड़ा, जगदम्बा युवा ग्रुप, करीरी के सभी ग्राम वासी के नैतिक समर्थन के बाद सरकार ने करीरी में शराब के खिलाफ मतदान करवाने की स्वीकृति प्रदान की। ग्राम पंचायत करीरी में शराब के खिलाफ जस्टिस फॉर छाबड़ा जी संगठन, ओमप्रकाश घूमना, पवन जैन, प्रेम डेरा, सरपंच लिछमा देवी, विजय करीरी की अगुवाई में मतदान हुआ और जागरूक ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। आज शराबबंदी के लिए 5400 कुल मतदाता में से 3834 वोट मतदान हुआ, कुल मतदान का 97%मतदान शराबबंदी के पक्ष में हुआ। आज पक्ष में 3746 वोट डले।वोटिंग के लिए संगठन से ओमप्रकाश घूमना व प्रेम राज सैनी ने कमान संभाली। पिछले कई दिनों से संगठन के सभी लोग करीरी में ही रह रहे थे। सम्पूर्ण शराब बंदी आन्दोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने करीरी के जागरूक लोगों को बधाई देते हुए सरकार से मांग की प्रदेश का आम जन जब शराब के खिलाफ है तो सरकार को तुरन्त शराब बन्द कर देनी चाहिए और सरकार को अब भी कोई शक सूबा है तो प्रदेश में शराब बंदी के लिए मतदान करवा लेना चाहिए, जिससे दूध का दूध व पानी का पानी हो जायेगा।जिससे आम जन की भावना सरकार के सामने आ जायेगी अब प्रदेश का आम जन शराब रुपी दानव के आंतक से तंग आ चुका है। जस्टिस फॉर छाबड़ा जी संगठन ने इस शुभ अवसर पर सरपंच लिछमा देवी व सम्पूर्ण करीरी पंचायत को बधाई दी। अब वो दिन दूर नही जब शहिद गुरुशरण जी छाबड़ा का सपना पूरे भारत देश मे जल्द साकार हो जाएगा।पूनम अंकुर छाबड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष जस्टिस फॉर छाबड़ा जी संगठन शराबबन्दी आंदोलन पूर्व विधायक गुरुशरण जी छाबड़ा।

कानपुर के बिल्हौर में सिपाही की हत्या से पुलिस महकमे में हड़कंप

मैनपुरी के भोगांव की दिव्या से अप्रैल में हुई थी गैर जनपद में तामीला का कार्य देखते सिपाही देश दीपक की शादी

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बिल्हौर कस्बे के ब्रह्म नगर में एक सिपाही की गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई। आज गुरुवार की सुबह उसका हत्या किया शव उसके कमरे से बरामद किया गया। इस कमरे में बाहर से ताला बंद था। घटना से जहां इलाके में सनसनी का माहौल है वहीं पुलिस महकमे में भी हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच दिवंगत सिपाही के घर वालों को भी सूचना दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक बिल्हौर कोतवाली में तैनात और ब्रह्मनगर में किराए पर कमरा लेकर रह रहे सिपाही देश दीपक रोज की तरह बुधवार शाम अपने कमरे में आ गए थे। बताया गया कि मूलरूप से फिरोजाबाद के दयापुर पोस्ट पहाड़न निवासी 30 वर्षीय सिपाही देश दीपक कोतवाली में वर्ष 2019 से तैनात है और गैर जनपद में तामीला का कार्य देखते थे। उसकी शादी अप्रैल माह की 22 तारीख को मैनपुरी के भोगांव क्षेत्र के भीम नगर निवासी मोहन पाल सिंह की पुत्री दिव्या से हुई थी। पुलिस के अनुसार आज गुरुवार सुबह सिपाही के स्वजन ने कोतवाली में सूचना दी कि उनका मोबाइल फोन बुधवार से स्विच ऑफ बता रहा है। इस पर वह कोतवाली से सौ मीटर दूर ब्रह्म नगर स्थित सिपाही के कमरे पर पहुंचे तो कमरे में बाहर से ताला बंद मिला। अंदर पंखा चलने की आवाज पर अनहोनी की आशंका से कमरा खुलवा कर देखा तो चारपाई पर लहूलुहान हालत में सिपाही का शव पड़ा था। उसके गले पर धारदार हथियार से जख्म के निशान मिले। सिपाही की हत्या की जानकारी पर मोहल्ले में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर ने जांच पड़ताल शुरू की। स्वजन को सूचना देने के साथ ही मौके पर फील्ड यूनिट व डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर सिपाही की हत्या की वजह और उसके हत्यारों का भी पता लगा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था के बीच कानपुर में राष्ट्रपति का आगमन आज

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। आज यहां शुक्रवार को बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का आगमन होने जा रहा है। इसके लिए स्थानीय जिला प्रशासन और सुरक्षा जनों ने सारी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप भी दे दिया है। इसी तरह की तैयारियां राष्ट्रपति के गांव परौंख में भी की गई हैं। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंच सकते हैं, इसीलिए उनकी भी सुरक्षा और स्वागत की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि कानपुर देहात के परौख में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चकेरी एयरपोर्ट आएंगे, हालांकि नगर में उनका कोई कार्यक्रम नहीं होगा। वह चकेरी एयरपोर्ट से ही विमान बदलकर दिल्ली चले जाएंगे जबकि राष्ट्रपति सर्किट हाउस में ठहरेंगे। यहां उनका स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। परौख का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति हवाई मार्ग से कानपुर आएंगे और सर्किट हाउस में ठहरेंगे। जहां वह लोगों से मुलाकात भी करेंगे। जब कि कल चार जून को मर्चेंट चेंबर में होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह एयरपोर्ट से दिल्ली चले जाएंगे।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रपति के गांव परौख पहुंचने की भी तैयारियां पूरी
- राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को दिया अंतिम रूप
- राज्यपाल और मुख्यमंत्री करेंगे स्वागत

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के लाभार्थियों से बातचीत की, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों के साथ किया सीधा संवाद

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अवसर पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के हितग्राहियों के साथ लाभार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सहयाद्री गेस्ट हाउस, मुंबई से राज्य के चयनित लाभार्थियों के साथ बातचीत की, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के शिमला से देश भर में केंद्रीय योजनाओं के चयनित लाभार्थियों के साथ बातचीत की। लाभार्थी संवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण योजना समिति हॉल, जिला कलेक्टर कार्यालय पर किया गया। हॉल में जिला कलेक्टर एस राममूर्ति, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी भाग्यश्री विस्पुते, रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी, विभागाध्यक्ष व अधिकारी मौजूद रहे। शुरूआत में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने लाभार्थियों से बातचीत की। इसमें नगर, कोल्हापुर, नासिक, नागपुर, औरंगाबाद जिलों के लाभार्थी शामिल थे। इसके बाद कार्यक्रम का शिमला में सीधा प्रसारण किया गया। विभिन्न केंद्रीय योजनाओं पर आधारित वीडियो संदेश प्रसारित किए गए। उसके बाद लद्दाख, बिहार, त्रिपुरा, कर्नाटक, गुजरात के लाभार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का प्रसारण किया गया। जिला योजना समिति हॉल में करीब 200 हितग्राही मौजूद रहे। इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र जलगांव जमोद एवं कृषि विज्ञान केन्द्र बुलडाना में 150-150 लाभार्थी उपस्थित थे।

इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से बनाया राज्यसभा का प्रत्याशी, अल्पसंख्यक युवाओं में खुशी की लहर

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। मशहूर शायर इमरान प्रतापगढ़ी हिंदी और उर्दू की इसी मिली जुली जुबान के कारण जाने जाते हैं। मुशायरा में प्रतिरोधक कविताएं पढ़ने की वजह से विश्वास लोकप्रिय है। इमरान ने अपनी नज्मों से हिंदुस्तान ही नहीं दूसरे देशों में धाक जमाई। देश के युवा पीढ़ी भी उनके शायराना अंदाज से जुड़े हुए हैं क्योंकि इमरान प्रतापगढ़ी अपनी शायरी के जरिए मोदी सरकार की गलत नीतियों को उजागर करके सरकार पर तंज करते रहते हैं। वर्ष 2014 से ही इमरान कांग्रिस पार्टी के समर्थक रहे हैं। इमरान प्रतापगढ़ी ने वर्ष 2019 में मुरादाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। इसके बाद से ही कांग्रिस पार्टी के लिए आगे आकर बेहतरीन भूमिका निभाई है। साथी इमरान ने भाजपा को चोट करती शायरी के माध्यम से हाईकमान तक अपनी पहुंच बना ली।कांग्रिस अध्यक्ष सोनिया गांधी कांग्रिस महासचिव प्रियंका गांधी और संसद राहुल गांधी के बेहद करीब हो गए। कांग्रिस हाईकमान ने उनकी इस गतिविधियों को देखकर अल्पसंख्यक विभाग का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर पहला सम्मान दिया गया। इमरान ने चुनाव के दौरान कांग्रिस पार्टी के लिए स्टार प्रचारक की अहम भूमिका निभाई थी। इमरान प्रतापगढ़ी को केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार हमलावर होने और सरकार के फैसलों के विरोध में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करने का इनाम मिला है। कांग्रिस हाईकमान ने शायर इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से राज्यसभा का प्रत्याशी बनाकर भरोसा जताया है। क्योंकि वह केंद्र सरकार की जो कमियां है और राज्यसभा में अच्छी तरीके से आवाज उठाकर जनता की समस्याओं का निवारण कर सकते हैं। इसीलिए हाईकमान ने इमरान प्रतापगढ़ी पर विश्वास जताकर राज्यसभा के लिए प्रत्याशी चयन किया है। लेकिन इस राज्यसभा चुनाव में इमरान की चयन को लेकर महाराष्ट्र के कांग्रेस नेता में नाराजगी व्यक्त की जा रही है। राजनीतिज्ञ का कहना है कि कांग्रिस पार्टी ऐसा पक्ष है। जो हाईकमान निर्देश देती है उस निर्देश का पालन आखिर तक पार्टी कार्यकर्ताओं को करना पड़ता है ।कांग्रिस पार्टी एक समंदर के मानिंद है। पार्टी में कई लीडर आए और कई चले गए लेकिन कांग्रिस पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ा।कांग्रेस हाईकमान ने मशहूर शायर इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से राज्यसभा की उम्मीदवारी देने से अल्पसंख्यक युवाओं में खुशी की लहर देखी जा रही है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने का कहना है वह भी महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरते समय इमरान इमरान प्रतापगढ़ी के साथ हाजिर थे। नाना पटोले ने कहा कि कांग्रिस पार्टी हाईकमान जो निर्देश देती है हर कांग्रिस पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को इस निर्देश का पालन करना पड़ता है। हाईकमान ने इमरान प्रतापगढ़ी को उनकी काबिलियत पर महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव के लिए चयनित किया गया है। इसमें उम्मीदवारी पर किसी भी कांग्रिस नेता को नाराजगी व्यक्त नहीं करना चाहिए क्योंकि जो हाईकमान निर्देश देती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कुर्ला एल/विभाग मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिंदे के आदेशों की उड़ाई जा रही है धज्जिया?

ठेकेदार एजाज द्वारा न्यू मिल रोड पर बड़े पैमाने पर अवैध नवनिर्माण का कार्य जारी

MUNICIPAL CORPORATION OF GREATER MUMBAI

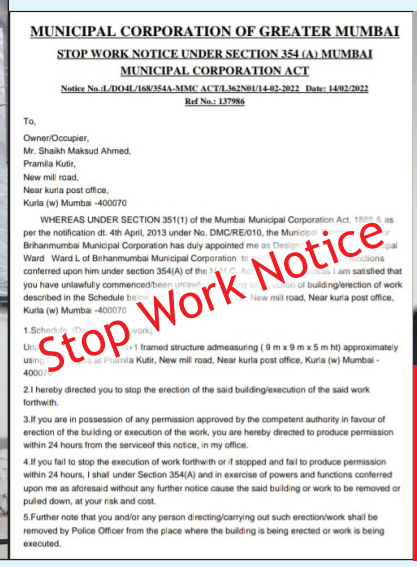

STOP WORK NOTICE UNDER SECTION 354 (A) MUMBAI MUNICIPAL CORPORATION ACT

Notice No.:L/DO4L/168/354A-MMC ACT/L362N01/14-02-2022 Date: 14/02/2022

Ref No.: 137986

To,
Owner/Occupier,
Mr. Shaikh Maksud Ahmed,
Pramila Kutir,
New mill road,
Near kurla post office,
Kurla (w) Mumbai -400070

WHEREAS UNDER SECTION 351(1) of the Mumbai Municipal Corporation Act, 1888 & as per the notification dt. 4th April, 2013 under No. DMC/RE/010, the Municipal [illegible] Brihanmumbai Municipal Corporation has duly appointed me as Design[illegible] Ward Ward L of Brihanmumbai Municipal Corporation to [illegible] functions conferred upon him under section 354(A) of the M.M.C. Act [illegible] I am satisfied that you have unlawfully commenced/been unlawfully [illegible] on erection of building/erection of work described in the Schedule below [illegible], New mill road, Near kurla post office, Kurla (w) Mumbai -400070

1.Schedule (D[illegible] work)

Un[illegible] G+1 framed structure admeasuring (9 m x 9 m x 5 m ht) approximately using [illegible] at Pramila Kutir, New mill road, Near kurla post office, Kurla (w) Mumbai - 400070

2.I hereby directed you to stop the erection of the said building/execution of the said work forthwith.

3.If you are in possession of any permission approved by the competent authority in favour of erection of the building or execution of the work, you are hereby directed to produce permission within 24 hours from the serviceof this notice, in my office.

4.If you fail to stop the execution of work forthwith or if stopped and fail to produce permission within 24 hours, I shall under Section 354(A) and in exercise of powers and functions conferred upon me as aforesaid without any further notice cause the said building or work to be removed or pulled down, at your risk and cost.

5.Further note that you and/or any person directing/carrying out such erection/work shall be removed by Police Officer from the place where the building is being erected or work is being executed.

Assistant Engineer L/4 Mr.kiran kumar annamwar building & factory Department L/Ward mcgm Kurla

संवाददाता /अजय उपाध्याय

मुंबई। कुर्ला एल विभाग मनपा प्रभाग क्र.168 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत प्रेमिला कुटीर न्यू मिल रोड ठेकेदार एजाज द्वारा जारी अवैध बांधकाम का संरक्षणदाता मनपा का कौन भ्रष्ट अधिकारी है जो मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिंदे के आदेशों को हवा में उड़ा रहा है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक मनपा एल विभाग ईमारती व कारखाने विभाग द्वारा दिनांक 14.02.2022 को 354 स्टॉप वर्क नोटिस भी जारी किया गया है और सहायक आयुक्त महादेव शिंदे द्वारा सभी नवनिर्मित अनधिकृत बांधकामो को स्थगन का आदेश दिया गया है, किंतु मनपा सहायक आयुक्त के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए न्यू मिल रोड पर बड़े पैमाने पर अवैध नवनिर्माण जारी है। बताया जा रहा है कि उक्त अवैध निर्माण को मनपा के ही किसी भ्रष्ट अधिकारी का आशीर्वाद प्राप्त है। देखना यह होगा कि मनपा सहायक आयुक्त संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारी की जांच कर उसे आदेशों की अवहेलना करने अथवा अवैध निर्माणों को संरक्षण देने के चलते निलंबित करेंगे या फिर संबंधित अधिकारी की पीठ थपथपाते हुए शाबासी देंगे?

अजय सत्यप्रकाश शर्मा हिन्दूत्व के नाम पर करता है ठगी

संवाददाता /अजय उपाध्याय

दिल्ली। सभी हिन्दू भाई व बहनो को बता दें कि संस्थापक अजय सत्यप्रकाश शर्मा हिन्दूत्व के नाम पर सभी हिन्दू भाई व बहनो को रोजगार का प्रलोभन देकर हिन्दू भगवा वाहिनी फ्यूचर टेक्नोलॉजी लिमिटेड के नाम पर ठगी करता है। इसने रोजगार के नाम पर लाखों रुपयों की ठगी की है। रवी रत्न शर्मा, विक्रम दत्त शर्मा, जगदेव शर्मा, श्रीमती कविता, बंदना कुमारी ऐसे लोगों के साथ भी ठगी की है। किसी भी भाई बहन को ये रोजगार का लालच दे तो कोई भी भाई बहन इसकी झांसे में मत आना। जल्द ही इसके सभी झोल का खुलेगा पोल।

दो दिवसीय कराटे प्रतियोगिता संपन्न, छात्रों के प्रर्दशन से मंत्रमुग्ध हुवे अतिथि व दर्शक

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

परगना (पश्चिम बंगाल)। एसोशिएशन ऑफ शोतो कान कराटे (राजा बाजार) की शाखा आमतला, बारुई रोड, बानी मंदिर मे दो दिवसीय काता व कुमेते प्रतियोगिता संपन्न हुवा। इस प्रतियोगिता में जिला 24 परगना के सैकड़ों छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया और अपने उम्दा प्रर्दशन कर लोगो का मन मोह लिया।प्रतियोगिता में सफल हुवे छात्र छात्राओं के परिणाम इस प्रकार है (कुमेते) फाइट संचिता पुराकित, सृजानी घोष, सिगंधा मन्ना, रब्बानी साबिर, रेनिया चौधरी, वर्षा दास, रिम्पा मन, चंदीरिका दत्ता, मोमिता मंडल, सगिंधा कायल, लिपिका मंडल, जेसिका कपट, अंकिता सामंता, अरिछा कायल, सुनैना पुराकित विजेता रहे वही (काता) फॉर्म्स में रिमता दत्ता, नुमान हसन शेख, सप्तार सिंह घोष, जीत कुमार जानु, सिरेसंध मिस्त्री, रिशु घोष, प्रीतम हल्दर, अंतु मंडल, मित्तिका कविराज, चंद्रिका कविराज, कालिको मंडल, जेसिका कपट, लिपिका मंडल, ब्रिस्टी मंडल, प्रियसो मंडल, सीगंधा मंडल, श्वांगशी मंडल, वर्षा दास, प्रियो दोसी मंडल, रेनिया चौधरी ने विजय प्राप्त कर शील्ड और प्रमाण पत्र से सम्मानित हुवे। इस प्रतियोगिता मे मुख्य अतिथि के रुप मे 24 परगना दक्षिण के जिला प्रधान हबीबा बीवी उपस्थित थे जिसने अपने हाथो से सफल प्रतियोगियों को सम्मानित किया तथा अतिथि में साजल मिश्रा, क्लब अध्यक्ष दुलाल चक्रवती, समाज सेवी चंदन बनर्जी, अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष मोफिउद्दीन शेख, मोखाली अंचल अध्यक्ष प्रधान सुभाष घोष मौजूद थे वही पूरे प्रतियोगिता का संचालन सिहान एम साबिर (ब्लैक बेल्ट 6डान) के देख रेख में संपन्न हुवा वही सेंसाइ हुस्ना आरा द्वारा जजमेंट का कार्यभार संभाला तथा रेफरी में सोना लांबा, मांतु कोपाट रहें वही सेंसई प्रोद्रुत मंडल (मुख्य जिला प्रशिक्षक), विशाल मंडल का प्रतियोगिता आयोजन का मुख्य जिम्मेवारी निभाई, बताते चले की इस प्रतियोगिता में मुख्य रुप से इंडियन रिपोर्ट्स एसोशिएशन इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव मो. जहांगीर आमंत्रित किया गया था जो पुरे कार्यक्रम मे उपस्थित रहें व समापन में सभी को धन्यवाद दिया।

गौसुल वरा कॉन्फ्रेन्स आज, तैयारियाँ पूर्ण

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। अंजुमन रौनके इस्लाम के तत्वाधान में सरायतरीन में आयोजित होने वाली गौसुल वरा कॉन्फ्रेन्स की तैय्यारियाँ लगभग पूरी हो चुकी हैं। शुक्रवार 3 जून को रात्रि 10 बजे यह कॉन्फ्रेन्स शुरू होगी जिसमें मुंबई से सुन्नी दावते इस्लामी के संस्थापक और अमीर मौलाना शाकिर नूरी तशरीफ ला रहे हैं। विश्व ख्याति प्राप्त मुफ़्ती निजामुद्दीन रिजवी शेखुल जामिया अशरफि या मुबारकपुर के साथ मुफ़्ती जाहिद अली सलामी भी कॉन्फ्रेन्स में शामिल रहेंगे। कॉन्फ्रेन्स की व्यवस्था की देख रेख कर रहे अंजुमन रौनके इस्लाम के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँच कर कॉन्फ्रेन्स सम्बंधित गतिविधियों का जायजा लिया। मुख्य रूप से कलीम अशरफ, मुहम्मद आलम, मेहंदी हसन, बिलाल, जकी, अब्दुल वाहिद, इरफान आदि उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्लैकहेड्स-सनबर्न जैसी प्रॉब्लम्स का हल है फिटकरी

भारतीय घरों में सालों सेस फिटकरी का इस्तेमाल होता आ रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप इससे खूबसूरत और बेदाग स्किन भी पा सकते हैं। जी हां, चुटकीभर फिटकरी से आप अपनी कई स्किन प्रॉब्लम्स को दूर कर सकती हैं। आयुर्वेद में भी फिटकरी के बहुत से औषधीय गुण बताए गए हैं लेकिन कुछ लड़कियां अभी भी इसके फायदों से अंजान है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह फिटकरी से आप दमकती हुआ त्वचा पा सकती हैं।

कील-मुहांसे - फिटकरी को पानी में घोलकर कील-मुहांसे या दाग-धब्बों पर कम से कम 10 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से साफ कर लें। हफ्तेभर में आपको बेहतर रिजल्ट देखने को मिलेगा।

स्किन टाइटनिंग - चुटकीभर फिटकरी को गुलाबजल में मिलाकर चेहरे पर रोजाना लगाएं। इससे त्वचा में कसावट आएगी और आप एंटी-एजिंग की समस्याओं से भी बची रहेंगी। मगर ध्यान रखें कि फिटकरी आंखों में ना जाए।

ग्लोइंग स्किन - फिटकरी के पानी से चेहरा धोने या इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा गहराई से साफ हो जाती है। साथ ही इससे पोर्स में जमा गंदगी भी निकल जाती है, जिससे चेहरा नैचुरली ग्लो करने लगता है।

सनबर्न से बचाए - आधे कप पानी में दो चम्मच फिटकरी पाउडर मिलाकर सनबर्न एरिया पर लगाएं। कुछ दिनों तक इस प्रक्रिया को इस्तेमाल करें। सनबर्न से छुटकारा मिलेगा।

ब्लैकहेड्स - स्किन में मौजूद डेड सेल्स की वजह पोर्स बंद हो जाते हैं और ब्लैकहेड्स की परेशानी होती है। ऐसे में एक चम्मच फिटकरी पाऊडर में एक चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाकर अपनी बॉडी और चेहरे पर लगाकर रगड़े।

जुओं से बचाए - फिटकरी को अच्छी तरह पीसकर बारीक पाउडर बना लें। अब इसमें पानी और टी-ट्री ऑयल मिलाकर अपने बालों पर लगाएं। थोड़ी देर बाद सिर धो लें। इससे जुओं की समस्या खत्म हो जाएगी।

झड़ते बालों की समस्या - फिटकरी के इस्तेमाल से न केवल चेहरे की रंगत निखरती है बल्कि बाल भी लंबे होते है। हफ्ते में एक से दो बार गुनगुने पानी में फिटकरी पाउडर और कंडीशनर को मिलाकर बालों पर लगाएं। फिर 20 मिनट बाद इसे धो लें। साथ ही इससे हेयरफॉल और डैंड्रफ की समस्या भी दूर होगी।

पसीने की बदबू - अगर आपका अधिक पसीना आता है तो फिटकरी का इस्तेमाल करें। फिटकरी का चूर्ण बना लें। नहाने से पहले फिटकरी के इस चूर्ण को पानी में डाल दें। इस पानी से नहाने से शरीर से पसीने की बदबू गायब हो जाएगी।

चोट पर फायदेमंद - अगर कोई चोट लग गई हो या फिर घाव बन जाए तो फिटकरी के पानी से घाव को धो लें। इससे खून बहना बंद हो जाएगा। इसके चूर्ण को चोट पर लगाने से गाव भी जल्द भर जाता है।

मुंह के छाले करे ठीक - फिटकरी के प्रयोग से मुंह के छाले भी दूर किए जा सकते हैं। फिटकरी का घोल मुंह के छाले या घाव में 30 सेकंड तक लगाकर रखें और फिर साफ पानी से कुल्ला करें। ऐसा दिन मे दो-तीन बार करने से मुंह के छाले ठीक हो जाएंगे।

मोरिंगा-टी से कंट्रोल करें ब्लड शुगर, और भी जानिए फायदे

दक्षिण भारतीय व्यंजनों में विशेष रूप से इस्तेमाल होने वाला सहजन जिसे अंग्रेजी में मोरिंगा के नाम से जाना जाता है, अपने औषधीय गुणों के कारण खास माना जाता है। आयुर्वेद में तो सहजन के पूरे पेड़ को ही औषधीय माना जाता है। इसकी पत्तियों से बनी चाय (Morinh Tea) डायबिटीज के मरीजों से लेकर वजन घटाने के शौकीन लोगों के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है।

सहजन के फायदे

सहजन की सूखी पत्तियों के 100 ग्राम पाउडर में दूध से कई गुना अधिक कैल्शियम और पालक से 25 गुना अधिक आयरन होता है। इसमें गाजर से 10 गुना अधिक बीटा-कैरोटीन होता है, जोकि आंखों, स्किन और इम्यून सिस्टम के लिए बहुत बेहतर माना जाता है। एंटी-फंगल, एंटी-वायरल, एंटीडिप्रेसेंट और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुणों के कारण इसका इस्तेमाल डायबिटीज के मरीजों से लेकर वजन घटाने तक को नियंत्रित करने के लिए भी किया जा रहा है।

ऐसे बनाएं सहजन की चाय यानि मोरिंगा-टी - सहजन की चाय के लिए सहजन की पत्तियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी पत्तियों में प्रोटीन, विटामिन इ-6, विटामिन-उ, विटामिन-अ, विटामिन-ए, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, जिंक जैसे तत्व पाए जाते हैं। साथ ही इनमें कैल्शियम भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। आजकल बाजार में बहुत आराम से सहजन की पत्तियों का पाउडर मिल जाता है। फिर भी अगर आप सेहत के मामले में किसी पर भरोसा नहीं करना चाहते हैं तो इस पाउडर को आप घर में भी बना सकते हैं। सहजन की ताजी पत्तियों को छाया में सुखा लीजिए। फिर इन सूखी पत्तियों को ग्राइंडर में पीस कर एक एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करके रख लें। सहजन की चाय बनाने के लिए आपको एक चम्मच पाउडर को पानी में उबालना है और पीना है। आप चाहें तो रोज या फिर हर दूसरे दिन इस चाय को पी सकते हैं।

सहजन की चाय के अन्य फायदे

वजन कम करती है - सहजन की चाय शरीर की कोशिकाओं में अनावश्यक जल को कम करती है। इसमें मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटोरी गुण शरीर की सूजन कम करते हैं। फाइबर से भरपूर सहजन की चाय शरीर में फैट कम करने में मदद करती है। इंसुलिन रेजिस्टेंस कम कर सहजन की चाय शरीर में अनावश्यक फैट जमने से रोकती है।

बढ़ाती है इम्यूनिटी पॉवर - बारिश के मौसम में यह चाय रोगप्रतिरोधक क्षमता बढाक र सर्दी-जुकाम होने से रोकता है। यहां तक कि एड्स के रोगियों के ईलाज के वक्त इस्तेमाल होने वाली दवाइयों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है।

बेहतर करती है पाचन - सहजन की चाय पेट की सभी समस्याओं को दूर करती है। फाइबर की वजह से यह कब्ज दूर करने में भी फायदेमंद होती है। जिन बच्चों के पेट में कीड़े होते हैं उन्हें भी इस चाय का सेवन कराया जा सकता है।

चेहरे पर चाहिए इंस्टेंट ग्लो तो अपनाएं ये टिप्स

कई महिलाओं को आए दिन किसी न किसी पार्टी में जाना पड़ता है। ऐसे में रोजाना मेकअप और थकावट की वजह से त्वचा अपना निखार खोने लगती है। ऐसे में आज हम आपके लिए ऐसे कुछ ब्यूटी टिप्स लेकर आएं हैं जिन्हें आपको पार्टी में जाने से पहले जरुरी अपलाई करना है। जिससे आपका मेकअप तो खिलकर आएगा ही साथ ही त्वचा पर हुए नुकसान भी दूर होंगे।

क्लीनअप है जरुरी

मेकअप भी अपना कमाल तभी दिखाता है जब आपका चेहरा अच्छी तरह यानि डीप क्लीन होता है। चेहरे को क्लीन करने के लिए आपको पार्लर के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही आसानी से सस्ता और कुछ ही मिनटों में फायदा करने वाला क्लींजर तैयार कर सकती हैं। एक चम्मच शहद में कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाकर इससे चेहरे की अच्छी तरह मसाज करें। ऐसा करने से एक तो चेहरा गहराई से साफ होगा साथ ही आपकी त्वचा नेचुरल ग्लो भी करेगी।

दही का फेस पैक

रोजाना मेकअप और थकावट की वजह से चेहरे की रंगत कम होने लगती है। ऐसे में खासतौर पर पार्टी में जाने से पहले दही को नींबू के साथ मिक्स करके चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं। दही स्किन को पोषण देने का काम करेगा और नींबू से चेहरे की रंगत में निखार आएगा। फेसपैक के सूखने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

मेकअप होना चाहिए लाइट

गर्मियों का मौसम चल रहा है ऐसे में मेकअप जितना लाइट करेंगी उतना ही बेहतर रहेगा। मैरिज पार्टी में जा रही हैं तो इसका ये मतलब नहीं कि हैवी मेकअप ही किया जाए। हल्का सा एक न्यूड लिप ग्लॉस,मस्कारा और ब्लश आपकी मैरिज पार्टी लुक को आसानी से कंपलीट कर सकता है। लाइट मेकअप करने में समय भी कम लगेगा।

समय पर भी तैयार होना जरुरी

किसी भी पार्टी में जाने से पहले लास्ट मूमेंट का इंतजार न करें। जल्दी-जल्दी में पार्टी और मेकअप दोनों का मजा किरकिरा हो सकता है।अपनी ड्रेस को पहले से ही सिलेक्ट करके रखें। मेकअप के वक्त एक प्रोडक्ट को सही से सूखने के बाद ही दूसरे को एप्लाई करें। ऐसा करने से आपका फेस अच्छे से ग्लो करेगा।

नींद लेना भी जरुरी

पार्टी में जाने से पहले एक अच्छी सी झपकी लेना बहुत जरुरी है। जिससे आप और आपका चेहरा दोनों एनर्जेटिक लगेंगे। ध्यान में रखें इतना न सोएं कि आप पार्टी में देर से पहुंचे। समय से पहले ही तैयारी कर लें ताकि लास्ट मिनट कनफ्यूजन से बच सकें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका चोपड़ा ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के विनर्स को दी बधाई

बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड में भी अपनी अलग पहचान बनाने वाली फेमस एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल स्टार बन गई हैं। सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती है। अपने प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ के अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती है। अपने पोस्ट से फैंस का दिल जीत लेतीं हैं। फिलहाल वो अपनी फैमली के साथ समय बीता रहीं हैं। अब इसी बीच देसी गर्ल ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 के सभी विजेताओं को बधाई दी है। जो उन्होनें अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। आपको बता दें, प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में वो कान्स फिल्म फेस्टिवल के सभी विजेताओं को बधाई देती नजर आ रहीं हैं। प्रियंका की इस स्टोरी पोस्ट में लिखा है, कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022, कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 के सभी विजेताओं को बधाई। एशिया की सभी शक्तिशाली प्रतिभाओं को मान्यता मिलना विशेष रूप से खुशी की बात है। इस पोस्ट को शेयर करने के साथ इसके आगे इंस्टा स्टोरी पर एशिया की फिल्मों, निर्माताओं और अभिनेताओं की कुछ फोटोज भी शेयर की है। इन स्टार्स को कान्स 2022 में पहचान मिली है। इन सभी विजेताओ की फोटोज शेयर करने के साथ उन्हें बधाई देते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। इन फोटोज पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहें हैं। साथ ही बता दें कि प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी फैमिली के साथ एक अच्छा टाइम स्पैंड कर रहीं हैं। और वो लॉस एंजेलिस में अपने परिवार के साथ बस चुकी हैं।

नुसरत भरूचा ने 6000 महिलाओं संग घूमर कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने फिल्मी दुनिया में असली पहचान फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' और 'प्यार का पंचनामा' से बनाई है। जिसके बाद से अपनी ग्लैमरस और बोल्ड अदाओं से फैंस के दिलों पर राज कर रहीं है। तो वहीं, सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की काफी अच्छी फैन-फॉलोइंग भी है। जहां वो पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों ही अपडेट करतीं हैं। अब इन दिनों नुसरत अपनी आने वाली फिल्म 'जनहित में जारी' को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। साथ ही इस फिल्म को जोर-शोर से प्रमोट करने में लगी हुई हैं। वहीं अब हाल ही में नुसरत फिल्म के प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंच गईं हैं। वो पूरे तरीके से राजस्थानी अवतार में नजर आ रहीं हैं। तो वहीं अब उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। आपको बता दें, सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक पैपराजी ने नुसरत का राजस्थानी अंदाज में फोटोज और वीडियो शेयर किया है। जो सोशल मीडिया पर ये फोटोज और वीडियो खूब वायरल हो रहें है। इस वीडियो में नुसरत अपने को-स्टार अनुद सिंह के साथ नजर आ रहीं है। साथ ही 6000 महिलाओं के साथ घूमर करती दिखाई दे रहीं है। बता दें, इन महिलाओं के साथ घूमर करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। वीडियो में नुसरत और अनुद को घूमर करने के साथ पारंपरिक कपड़े पहने महिलाओं के साथ पोज देते नजर आ रहें हैं। और उन महिलाओं के संग डांस करते भी देखा जा सकता है।

आर माधवन ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाले बने पहले एक्टर

बॉलीवुड के मैडी आर. माधवन आज 1 जून को अपना जन्मदिन मना रहें है। इनके करियर की बात करें तो पिछले कुछ सालों में भारतीय सिनेमा और ओटीटी कंटेंट में बदलाव लेकर आए है। और इस बात में आर. माधवन का जिक्र करना लाजमी है। बता दें, आर. माधवन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बेहतर कंटेंट लेकर आए है। साथ ही इसमें दिलचस्प बात ये है कि वो ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाले पहले एक्टर है। इनके साथ ही ओटीटी पर डेब्यू करने वाले पहले सितारों में आर. माधवन और विवेक ओबेरॉय का नाम शामिल हैं। आपको बता दें, ओटीटी पर आकर उन्होंने रिकॉर्ड भी बना लिया है। और अब उनकी वेब सीरीज को भारत की टॉप वेब सीरीज की लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। बता दें, आर. माधवन ने अपना ओटीटी डेब्यू साल 2018 में वेब सीरीज 'ब्रीद' से अमेजन प्राइम वीडियो से किया था। इस सीरीज में काम करने को लेकर आर. माधवन ने कई बातों का खुलासा भी किया था। उन्होंने बातचीत के दौरान कहा था, मैं करीब पांच साल से एक वेब सीरीज में काम करने के बारे में सोच रहा था। लेकिन, भारत की तरफ से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जो कंटेंट स्ट्रीम किया जा रहा था, वो बहुत अच्छा नहीं था। मैं एक ऐसी वेब सीरीज से शुरूआत करना चाहता था जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करें। इसके आगे आर. माधवन ने कहा, सीरीज 'ब्रीद' उन कहानियों में से एक थी जिसका मैं हिस्सा बनना चाहता था।